Model Question — 5th Semester

भारतीय काव्यशास्त्र

Paper- C11 — BAHHINC-501

1. अति लघु उत्तरीय प्रश्न:-

(क) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' किसका कथन है?
(ख) 'काव्यालंकार सूत्र वृत्ति' के रचयिता का नाम लिखिए।
(ग) 'काव्य की आत्मा ध्वनि है'- यह किसकी उक्ति है?
(घ) मम्मट कृत किसी ग्रन्थ का नाम लिखिए।
(ङ) शब्दालंकार के किन्हीं दो रूपों के नाम लिखिए।
(च) करुण रस के किसी एक आलम्बन का नाम लिखिए।
(छ) 'अनुमितिवाद' के प्रवर्तक कौन थे?
(ज) ध्वनि-सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन थे?
(झ) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'- यह प्रसिद्ध उक्ति किनकी है?
(ञ) 'काव्यादर्श' के रचयिता कौन हैं?
(ट) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'- किसकी उक्ति है?
(ठ) 'वक्रोक्तिजीवितम्' किसकी रचना है?
(ड) राजशेखर ने किसे काव्य हेतु माना है?
(ढ) रस सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन हैं?
(ण) 'नाट्यशास्त्र' किसकी रचना है?
(त) 'रसगंगाधर' किसकी रचना है?
(थ) 'विशिष्ट पदरचना रीतिः' किनका कथन है?
(द) 'ध्वन्यालोक' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?
(ध) 'ध्वनि' शब्द का प्राचीनतम प्रयोग किस ग्रन्थ मे मिलता है?
(न) भरतमुनि के अनुसार नाटक का मुख्य ध्येय क्या है?

2. लघु उत्तरीय प्रश्न:-

(क) भारतीय काव्य शास्त्र में साधारणीकरण की कल्पना सर्वप्रथम किसने की? भोगवाद के प्रवर्तक कौन हैं?
(ख) 'साहित्यालोचन' और 'साहित्य दर्पण' किनकी रचनाएँ हैं?
(ग) ध्वनि के दो भेद लिखिए।
(घ) आचार्य शुक्ल ने काव्य की आत्मा किसे माना है? उत्पत्तिवाद के प्रवर्तक कौन हैं?
(ङ) 'रसकलश' पुस्तक किसकी है? 'भारतीय साहित्य शास्त्र' के रचयिता कौन हैं?
(च) काव्य के दो हेतुओं का उल्लेख कीजिए।
(छ) भारतीय काव्य शास्त्र का प्रथम आचार्य किसे माना गया है? उनकी पुस्तक किस सिद्धान्त पर बल देती है?
(ज) लक्षणा शब्द शक्ति के दो भेदों के नाम लिखिए।
(झ) रुद्रट के अनुसार 'प्रतिभा' के दो प्रकार कौन कौन से हैं?
(ञ) रस के सम्बंध में भरत मुनि का सूत्र वाक्य लिखिए
(ट) आनन्दवर्द्धन किस संप्रदाय के प्रतिष्ठापक हैं? उनके प्रमुख ग्रन्थ का नाम लिखिए।
(ठ) भोजराज द्वारा रचित ग्रंथ का नाम लिखिए। भोजराज ने किस एक रस को 'पूर्ण रस' माना है?
(ड) 'काव्य आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है'- यह काव्य लक्षण हिन्दी के किस विद्वान का है? उनकी एक रचना का नाम लिखिए।
(ढ) भरत-सूत्र के दो व्याख्याकारों के नाम लिखिए।
(ण) 'रस-मीमांसा' और 'रस-सिद्धान्त' के लेखकों का नाम लिखिए।
(त) काव्य के दो लक्षणों का उल्लेख कीजिए।
(थ) 'श्रृंगार' और 'वीर' रस का स्थायी भाव लिखिए।
(द) 'शोक' और 'निर्वेद' स्थायी भाव के रस कौन-कौन से हैं?
(ध) 'रीतिकाल की भूमिका' तथा 'रस-सिद्धान्त' नामक ग्रन्थों के लेखक कौन हैं?
(न) भरतमुनि ने कितने अंलकारों का उल्लेख किया है? नाम लिखिए।

3. संक्षिप्त उत्तरीय प्रश्न :-

(क) अभिधा शब्द शक्ति पर टिप्पणी लिखिए।
(ख) 'रस के अवयव' पर विचार व्यक्त कीजिए।
(ग) काव्य लक्षण के संदर्भ में भामह की परिभाषा अपने शब्दों में लिखिए।
(घ) काव्य-हेतु के अन्तर्गत 'व्युत्पत्ति' के महत्व पर प्रकाश डालिए।
(ङ) वामन के रीति सिद्धान्त का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
(च) अलंकार सिद्धान्त का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
(छ) रस के अंगों पर प्रकाश डालिए।
(ज) रस-निष्पत्ति पर टिप्पणी लिखिए।
(झ) रीति संप्रदाय का सामान्य परिचय दीजिए।
(ञ) काव्य प्रयोजन सम्बन्धी भारतीय आचार्यों के मतों पर विचार कीजिए।
(ट) काव्य हेतु के अंतर्गत अभ्यास के महत्व पर विचार कीजिए।
(ठ) ध्वनि सम्प्रदाय का सामान्य परिचय दीजिए।
(ड) स्थायी भाव और सात्विक भाव के अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(ढ) गौड़ी रीति का सोदाहरण परिचय दीजिए।
(ण) ध्वनि संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

(क) रस के साधारणीकरण सिद्धान्त की शक्ति और सीमाओं पर प्रकाश डालिए।
(ख) अलंकार-सम्प्रदाय का ऐतिहासिक परिचय दीजिए।
(ग) भारतीय आचार्यों द्वारा काव्य लक्षण के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
(घ) काव्य-प्रयोजन के संदर्भ में विभिन्न आचार्यों के मतों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
(ङ) शब्द-शक्तियों को सोदाहरण परिभाषित करते हुए इनके भेदों पर विचार कीजिए।
(च) साधारणीकरण संबंधी आचार्य शुक्ल के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।
(छ) ध्वनि के भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए।
(ज) रीति सिद्धान्त का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।
(झ) रस-सम्प्रदाय का सामान्य परिचय दीजिए।
(ञ) रस निष्पत्ति के संदर्भ में विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।